



माननीय उप राज्यपाल द्वारा ननकौड़ी द्वीपसमूह के लिए मत्स्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्वीकृति एवं डिगलीपुर में वृद्धाश्रम निर्माण को अनुमोदन

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। डॉ. दिनेश शर्मा, माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, ने आज दो महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की। इन स्वीकृतियों से ननकौड़ी द्वीपसमूह के मछुआरा समुदाय तथा उत्तर व मध्य अण्डमान के वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। ननकौड़ी द्वीपसमूह के लिए मत्स्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत कर्माटों में बर्फ संयंत्र एवं शीत भंडारण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के अंतर्गत बर्फ उत्पादन की सुविधा विकसित की जाएगी। परियोजना के क्रियान्वयन से ननकौड़ी द्वीपसमूह के अंतर्गत तरेसा, चावरा, कच्छाल तथा अन्य निकटवर्ती द्वीपों के निकोबारी मछुआरों को मछलियों के संरक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस सुविधा के माध्यम से मत्स्य उत्पादों के पश्चात होने

वाले नुकसान में कमी आएगी तथा मछलियों के सुरक्षित भंडारण, संरक्षण और विपणन में सुधार होगा। इससे मछुआरा समुदाय की आजीविका को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उनकी समाजार्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में भी सहायता मिलेगी। इसी क्रम में, उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के चिन्हित निराश्रित एवं अनाथ वृद्धजनों के लिए डिगलीपुर में वृद्धाश्रम के निर्माण के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत 10 कमरों, एक सभागार तथा चहारदीवारी का निर्माण किया जाएगा। वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं गरिमापूर्ण आवास उपलब्ध कराया जाएगा। माननीय उप राज्यपाल द्वारा प्रदान की गई इन दोनों महत्वपूर्ण स्वीकृतियों से द्वीपसमूह में जनकल्याण, सामाजिक सुरक्षा तथा स्थानीय आजीविका को सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

दूरदर्शन केंद्र एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने माननीय उप राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट



श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। लोक निवास, श्री विजय पुरम में आज दूरदर्शन केंद्र की अपर निदेशक सुश्री सनम ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डॉ. दिनेश शर्मा, माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने दूरदर्शन केंद्र के कार्यक्रमों एवं प्रसारण की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में आ रही विभिन्न चुनौतियों एवं समस्याओं से माननीय उप राज्यपाल जी को अवगत कराया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के सचिव डॉ. आर. देवदास तथा अण्डमान-निकोबार जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला परिषद सदस्य श्री वी. के. अब्दुल अजीज़ ने भी माननीय उप राज्यपाल जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की तथा उनके समाधान के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए। अण्डमान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के एक प्रतिनिधि मंडल ने भी माननीय उप राज्यपाल जी से शिष्टाचार भेंट कर द्वीपसमूह में पर्यटन उद्योग के विकास एवं संवर्धन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए हवाई किरायों को युक्तिसंगत बनाने, पर्यटन व्यापार मेलों में सक्रिय भागीदारी के



लिए सरकारी सहयोग उपलब्ध कराने एवं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को वर्षभर पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने सहित विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। इसी प्रकार, अण्डमान-निकोबार राज्य कर्मचारी महासंघ के महासचिव श्री एस. बीजू पिल्लै के नेतृत्व में महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी माननीय उप राज्यपाल जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों एवं महासंघ से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

छूटे हुए एवं युवा/पहली बार पात्र मतदाताओं के नामांकन के लिए विशेष शिविर 10 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सूचित किया है कि 10 अक्टूबर, 2026 (शनिवार) को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर छूटे हुए तथा युवा/पहली बार पात्र मतदाताओं के नामांकन के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह पूरे दिन चलने वाला अभियान पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की

सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। शिविर के दिन बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों की सहायता करने और मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन प्राप्त करने का कार्य करेंगे। प्राप्त विज्ञप्ति में सभी छूटे हुए मतदाता तथा युवा/पहली

शेष पृष्ठ 4 पर

माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय ने माननीय उप राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। लोक निवास, श्री विजय पुरम में आज अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने माननीय उप राज्यपाल से स्वराज द्वीप के दोरे पर आने का आग्रह किया। भेंट के दौरान माननीय सांसद ने परिवहन विभाग द्वारा प्रस्तावित 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस सेवा के किराए को कम करने का आग्रह किया। माननीय सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अनुरोध पर माननीय उप राज्यपाल ने विभाग द्वारा प्रस्तावित 100 रुपए के किराए को घटाकर गैर-द्वीपवासियों के लिए 50 रुपए तथा द्वीपवासियों के लिए 40 रुपए निर्धारित करने की स्वीकृति प्रदान की। इस सेवा के अंतर्गत यात्री एक बार किराए का भुगतान कर पूरे दिन वातानुकूलित बस सेवा के माध्यम से स्वराज द्वीप के विभिन्न स्थानों की यात्रा कर सकेंगे। बम्बूफ्लाट क्षेत्र में पेयजल की समस्या से अवगत होने पर माननीय उप राज्यपाल ने सुनामी पहाड़, बम्बूफ्लाट



में 2.5 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 2 करोड़ लीटर क्षमता वाले जलाशय एवं पंप गृह के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। इसके अतिरिक्त, श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद के लिए अनुदान राशि जारी करने के आग्रह पर माननीय उप राज्यपाल ने 18 करोड़ रुपए की राशि तत्काल अवमुक्त करने के निर्देश दिए।

द्वीप पर्यटन महोत्सव—2026

कला एवं संस्कृति विभाग द्वीपों के विभिन्न स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा

द्वीपसमूह की सांस्कृतिक संस्थाओं से 6 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। द्वीप पर्यटन महोत्सव—2026 का आयोजन पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा 27 से 31 दिसंबर, 2026 तक किया जाना निर्धारित है। द्वीप पर्यटन महोत्सव—2026 के तहत कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस संबंध में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की स्थानीय सांस्कृतिक संस्थाओं एवं संगठनों से, जो द्वीप पर्यटन महोत्सव के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत करने के इच्छुक हैं, आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रत्येक समूह को कम से कम चार से छह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक अवसर पर नृत्य कार्यक्रम की न्यूनतम

अवधि 30 मिनट तथा गायन कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 45 मिनट से 1 घंटे होनी चाहिए। इससे कार्यक्रम चयन समिति को विभिन्न स्थलों पर प्रस्तुत किए जाने वाले विविध प्रकार के कार्यक्रमों का मूल्यांकन एवं चयन करने में सुविधा होगी। भाग लेने वाले कलाकारों की आयु 8 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा प्रत्येक स्थल के लिए प्रत्येक समूह में न्यूनतम 8 सदस्य और अधिकतम 15 सदस्य होने चाहिए। आवेदन के साथ एक स्व-प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह पुष्टि की गई हो कि समूह महोत्सव के दौरान विभाग द्वारा आवंटित किसी भी निर्धारित स्थल पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए इच्छुक है। शर्तों का पालन नहीं करने पर द्वीप पर्यटन महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में

शेष पृष्ठ 4 पर

दक्षिण अण्डमान जिला योजना समिति की बैठक 12 से 14 अक्टूबर तक

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। दक्षिण अण्डमान जिले (कैंपबेल बे राजस्व क्षेत्र सहित) की जिला योजना समिति की बैठक 12, 13 एवं 14 अक्टूबर, 2026 को दक्षिण अण्डमान जिला परिषद के सम्मेलन कक्ष में जिला परिषद के अध्यक्ष श्री पी. उम्मेर की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में जिला योजना समिति के सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अंतर्गत योजना कार्यान्वयन से जुड़े विभागों के सचिव व विभागध्यक्ष भाग लेंगे। बैठक में प्राथमिकता वाले जिला कार्य योजना 2027–2028 पर चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया जाएगा तथा दक्षिण अण्डमान जिले (कैंपबेल बे के राजस्व क्षेत्र सहित) की पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की कार्य योजना 2026–2027 को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। जिला योजना समिति की बैठक का कार्यक्रम इस

प्रकार है: 12 अक्टूबर: लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी), कृषि, मत्स्य, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, जेएनआरएम, एनकॉल, डीब्राइट, टैगोर कॉलेज, विधि। महाविद्यालय, खेल एवं युवा कार्य, समाज कल्याण, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग। 13 अक्टूबर: ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्था (पीआरआई), श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीएमसी), जिला प्रशासन, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, विद्युत, जहाजरानी, पतन प्रबंध बोर्ड, परिवहन, पर्यावरण एवं वन, उद्योग विभाग। 14 अक्टूबर: पुलिस एवं अग्निशमन विभाग, जिला कारागार, कला एवं संस्कृति, नागरिक उड्डयन, कार्मिक (नकद), सूचना, प्रचार एवं पर्यटन, राजकीय मुद्रणालय, जनजातीय कल्याण, आपदा प्रबंधन, लेखा एवं बजट, श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विधि विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा रजिस्ट्रार सहकारी समितियां (आरसीएस)।

‘जम्स ऑफ इंडिया’ पायलट पहल के तहत प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ी

द्वीपों के युवा रचनाकारों से अपने जिले की कहानियां साझा करने का आह्वान

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। ‘जम्स ऑफ इंडिया’ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की एक राष्ट्रीय पहल है, जिसे प्रसार भारती के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश के विभिन्न जिलों से उभरते रचनाकारों की पहचान करना, उन्हें प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल मंच उपलब्ध कराना है। इस

पहल के तहत नागरिकों, विशेष रूप से युवा रचनाकारों एवं डिजिटल सामग्री रचनाकारों को अपने-अपने जिलों की संस्कृति, विरासत, पर्यटन की संभावनाओं, पारंपरिक व्यंजनों, कला तथा स्थानीय स्तर की प्रेरणादायक कहानियों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। ‘जम्स ऑफ

शेष पृष्ठ 4 पर

आकाशवाणी और दूरदर्शन में हिंदी पखवाड़े का समापन आज

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। आकाशवाणी और दूरदर्शन, श्री विजय पुरम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह-2026 केल 7 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 11 बजे आकाशवाणी के सम्मलेन कक्ष में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री सतनाम सिंह, भा.प्र.से, सचिव, कार्मिक, राजस्व, प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन मुख्य अतिथि, श्री राजेश्वर लाल, सहायक सचिव (सामान्य प्रशासन), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, सम्मानित अतिथि तथा

आकाशवाणी, श्री विजय पुरम की अवकाश प्राप्त कार्यक्रम निष्पादक, सुश्री मुमताज बानो विशिष्ट अतिथि होंगी जबकि आकाशवाणी और दूरदर्शन के उप महानिदेशक, अभियांत्रिकी एवं क्लस्टर प्रमुख और कार्यालयाध्यक्ष श्री सी. सुब्बा राव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कल आयोजित किये जाने वाले इस समापन समारोह में दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कारों एवं प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जाएगा।

छूटे हुए एवं युवा/पहली बार पात्र मतदाताओं

पृष्ठ 1 का शेष



भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

SPECIAL CAMPS

AT ALL POLLING STATIONS
across the Andaman & Nicobar Islands

10.10.2026
Saturday

09:00 AM to 05:00 PM

During the camps, eligible electors can enroll for the following:

- Left-out Electors**
(Those who are not yet enrolled in the electoral roll)
- Young Electors**
(Those who have completed 18 years of age)
- First Time Electors**
(Those who are voting for the first time)

Any Query? Please Dial 1950

Booth Level Officer are present at their polling station.

CHIEF ELECTORAL OFFICER ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS

बार पात्र मतदाता अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को प्रपत्र-6 प्रस्तुत कर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। नामांकन के लिए आवेदन भारत के निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल <https://voters.eci.gov.in/> के माध्यम से ऑनलाइन

भी जमा किया जा सकता है अथवा मतदाता सेवाओं के लिए ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड किया जा सकता है।

किरी भी सहायता के लिए नागरिक अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं अथवा मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं।

‘जम्स ऑफ इंडिया’ पायलट पहल के तहत

पृष्ठ 1 का शेष

इंडिया’ पायलट पहल के तहत प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2026 कर दी गई है। पायलट चरण छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों-अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, अरुणाचल प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव, गोवा और लद्दाख में लागू किया जा रहा है।

प्रविष्टियां जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ में 21 जुलाई, 2026 से 31 अगस्त, 2026 तक निर्धारित थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 30 सितंबर, 2026 किया गया और अब इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2026 कर दिया गया है। डिजिटल सामग्री अपलोड करते समय किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता की आवश्यकता होने पर प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से संपर्क किया जा सकता है।

भाग लेने की प्रक्रिया : इच्छुक प्रतिभागी वेब ओटीटी मंच के ‘माईवेब्स’ अनुभाग के माध्यम से पंजीकरण कर अपनी प्रविष्टियां 31 अक्टूबर, 2026 तक जमा कर सकते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की अनूठी कहानियों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की संभावनाओं को देशभर के दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती है। द्वीपसमूह के युवा रचनाकारों, कहानीकारों एवं डिजिटल सामग्री रचनाकारों से इस पहल में भाग लेने एवं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की विशिष्ट कहानियों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया गया है। प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार एवं मान्यता प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा।

पुरस्कार:			
स्तर	भागीदारी का आधार	प्रस्तावित पुरस्कार	पुरस्कार राशि (प्रति पुरस्कार)
जिला	प्रति जिले 500-15,000 प्रविष्टियां (जनसंख्या के आधार पर)	अधिकतम 20 पुरस्कार (जनसंख्या के आधार पर)	50,000 रुपए
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों से सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां	प्रति जिले अधिकतम 1 पुरस्कार	2,00,000 रुपए
राष्ट्रीय	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियां	प्रति राज्य/केंद्र शासित प्रदेश अधिकतम 4 पुरस्कार (जनसंख्या के आधार पर)	5,00,000 रुपए
सृजन करें। संजोएं। साझा करें। अपनी द्वीप की कहानी को चमकने दें!			

द्वीप पर्यटन महोत्सव-2026

पृष्ठ 1 का शेष

भागीदारी वापस ली जा सकती है तथा भविष्य के कार्यक्रमों पर विचार करते समय विभाग द्वारा इस मामले की समीक्षा की जा सकती है।

आवेदन 6 नवंबर, 2026 को शाम 4 बजे तक व्यक्तिगत रूप से कला एवं संस्कृति निदेशालय, सेल्यूलर जेल परिसर, अटलांटा प्वाइंट, श्री विजय पुरम में या ई-मेल artand.culture@and.nic.in के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं। निर्धारित आवेदन प्रपत्र (अनुलग्नक-1) तथा स्व-प्रमाणपत्र का प्रारूप <https://andaman.gov.in> अथवा <https://artculture.andamannicobar.gov.in> से डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यक्रम चयन समिति द्वारा विभिन्न स्थलों के लिए कार्यक्रमों का चयन 11 एवं 12 नवंबर, 2026 को नृत्य समूहों

तथा 13 नवंबर, 2026 को गायन समूहों के लिए दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक अण्डमान क्लब में आयोजित पूर्वम्यास के दौरान किया जाएगा। विभाग द्वारा शास्त्रीय, अर्द्ध-शास्त्रीय, पारंपरिक एवं लोक नृत्यों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के संबंधित संगीत रूपों, जैसे भजन, कंबाली और लोकगीतों की प्रस्तुति को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रतिभागियों से कहा गया है कि वे उपर्युक्त तिथि एवं समय के अनुसार अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए चयन समिति के समक्ष उपस्थित रहें। चयन के बाद तिथि, समय एवं स्थल में परिवर्तन का निर्णय विभाग के विवेकाधिकार पर निर्भर होगा। किसी भी जानकारी के लिए इच्छुक संगठन कार्य समय के दौरान 03192-234775 पर संपर्क कर सकते हैं।

आईएनएसवी नीलकंठ का भव्य समुद्री स्वागत

एकीकृत कमान ने मनाया 25 वर्षों की संयुक्त सेवा और समुद्री शौर्य का गौरव



श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार कमान (एएनसी) के गौरवशाली 25 वर्षों के उपलक्ष्य में-जो भारत की पहली और एकमात्र संयुक्त सेवा परिचालन कमान है-भारतीय नौसेना के नौकायन पोत आईएनएसवी नीलकंठ का 6 अक्टूबर, 2026 को श्री विजय पुरम में भव्य समुद्री स्वागत किया गया। यह पोत विशाखापत्तनम से 700 समुद्री मील की चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा पूरी कर यहां पहुंचा। यह समुद्री यात्रा 29 सितंबर, 2026 को शुरू हुई तथा एएनसी की रजत जयंती का उत्सव है और इसके मूल भाव-संयुक्त सेवा भावना, सामंजस्य और पूर्वी समुद्री तट के प्रहरी-को प्रतिबिंबित करती है। सूर्योदय से सूर्यास्त तक, पिछले 25 वर्षों से एएनसी हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सीमाओं के प्रहरी के रूप में अपनी भूमिका निभा रही है। नौकायन समुद्री कौशल का सबसे शुद्ध स्वरूप है। यह नाविक में साहस, सहनशीलता, परिस्थितिजन्य जागरूकता तथा प्राकृतिक तत्वों के प्रति सम्मान जैसे आवश्यक गुणों का विकास करता है-ये सभी गुण एक समुद्री योद्धा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आईएनएसवी नीलकंठ का यह अभियान पेशेवर समुद्री कौशल को निखारने के लिए साहसिक गतिविधियों की भावना को विकसित करने के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। फ्लैग

प्वाइंट के समीप पोत के पहुंचने के अवसर पर शानदार 'फ्लैग-इन समारोह' आयोजित किया गया। इसकी अगुवाई अण्डमान तथा निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ (सिनकैन) वाइस एडमिरल विनीत मैकाटी, एवीएसएम, ने स्वयं की। वे जे-24 नौकायन नौका पर सवार होकर समुद्र में पहुंचे। नेतृत्व करते हुए सिनकैन ने तीन लेजर श्रेणी, पांच ऑप्टिमिस्ट श्रेणी की नौकाओं तथा भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के अनेक शक्ति चालित पोतों से युक्त एक जीवंत बेड़े का नेतृत्व किया। यह जल क्षेत्र में संयुक्त सेवा भावना का शानदार प्रदर्शन था। समारोह की भव्यता को बढ़ाते हुए भारतीय नौसेना के छह पोतों और भारतीय तटरक्षक बल के दो पोतों ने दो-स्तंभीय संरचना में एक औपचारिक सम्मान गलियारा बनाया और नीलकंठ को बंदरगाह तक पहुंचाया। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह का समापन सिनकैन द्वारा मरीना बे में आईएनएसवी नीलकंठ को औपचारिक रूप से फ्लैग-इन किए जाने के साथ हुआ। इसके बाद उन्होंने पोत पर सवार होकर चालक दल से मुलाकात की और उनकी असाधारण नौवहन क्षमता, दृढ़ता तथा नौकायन भावना की सराहना की। चालक दल ने विशाल बंगाल की खाड़ी में नौकायन करते हुए एएनसी की रजत जयंती का संदेश-"साथ नौकायन, साथ विजय"-यहां तक पहुंचाया।

कला एवं संस्कृति विभाग ने मनाया द्वीपसमूह की साझा विरासत का उत्सव

‘द्वितीय विश्व युद्ध’ पर विरासत पदयात्रा आयोजित की

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर।

कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने 3 अक्टूबर, 2026 को 'द्वितीय विश्व युद्ध' विषय पर विरासत पदयात्रा का सफल आयोजन किया। इस आयोजन के माध्यम से द्वीपसमूह की समृद्ध ऐतिहासिक



एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा विरासत आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया गया। पदयात्रा का संचालन स्थानीय इतिहासकार डॉ. प्रणब कुमार सरकार ने किया। विरासत पदयात्रा राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल से शुरू हुई और कई महत्वपूर्ण विरासत स्थलों से गुजरते हुए गांधी पार्क (शितो ब्राइन) में संपन्न हुई। यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वतंत्र पर्यटक गाइडों, आम जनता के सदस्यों तथा अण्डमान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (एएटीओ) और अण्डमान निकोबार टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (एएनटीओए) के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग

लिया। उनकी सक्रिय भागीदारी अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कला एवं संस्कृति विभाग ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने के लिए स्थानीय इतिहासकार डॉ. प्रणब कुमार सरकार, सभी प्रतिभागियों, विरासत प्रेमियों तथा संबंधित हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विभाग ने कहा कि वह अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विशिष्ट इतिहास का उत्सव मनाने तथा इसकी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाली ऐसी विरासत संबंधी पहलों का आयोजन आगे भी करता रहेगा।

“शराब को कहें ना, स्वास्थ्य को कहें हां”

हैडो के यूएचटीसी में शराब से होने वाले

स्वास्थ्य जोखिमों पर जागरूकता कार्यक्रम संचालित

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) के अनुसार, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में शराब का सेवन राष्ट्रीय अनुमान की तुलना में काफी अधिक है। द्वीपसमूह में 32.0 प्रतिशत पुरुष और 3.9 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करने की सूचना देती हैं, जबकि भारत में यह आंकड़ा क्रमशः 18.9 प्रतिशत पुरुष और 1.1 प्रतिशत महिलाएं है। शराब सेवन का यह उल्लेखनीय रूप से उच्च स्तर द्वीपसमूह में अत्यधिक शराब सेवन को एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य चिंता के रूप में रेखांकित करता है, जिसके लिए हानिकारक शराब सेवन की शीघ्र पहचान, उपयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा तथा आवश्यक सहायता एवं उपचार सेवाओं तक पहुंच पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य चिंता को ध्यान में रखते हुए, अर्बन हेल्थ एंड ट्रेनिंग सेंटर (यूएचटीसी), हैडो, श्री विजय पुरम में “शराब का सेवन, इसके स्वास्थ्य पर प्रभाव और रोकथाम” विषय पर स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसका आयोजन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को शराब सेवन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करके जागरूकता को निवारक कार्रवाई में बदलना, हानिकारक शराब सेवन के व्यवहार की समय पर पहचान को बढ़ावा देना तथा समय पर सहायता लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

यह कार्यक्रम अनिम्स के निदेशक डॉ. मुकुंश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जागरूकता सत्र डॉ. भव्या नायर द्वारा संचालित किया गया, जिन्हें डॉ. अजय राज, डॉ. समर हुसैन, डॉ. आंचल आनंद, डॉ. मितुल साहा और डॉ. रज्जिदा बानू का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

सत्र में हानिकारक शराब सेवन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ जीवनशैली और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं लेने के व्यवहार को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों को लंबे समय तक शराब के सेवन से यकृत, मस्तिष्क, हृदय एवं हृदय-रक्तवाहिका तंत्र, अग्न्याशय, जठरांत्र संबंधी तंत्र, प्रतिरक्षा तंत्र तथा प्रजनन तंत्र सहित शरीर के विभिन्न अंग-तंत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों



तथा कई प्रकार के कैंसर से इसके संबंध के बारे में जानकारी दी गई। चर्चा में शराब से संबंधित कैंसर के साथ-साथ लंबे समय तक होने वाली अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं में शराब के योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

सत्र में शराब सेवन के मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों, सामाजिक कार्य-व्यवहार तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों पर भी चर्चा की गई। रोकथाम और समय पर हस्तक्षेप के साथ-साथ शराब से संबंधित समस्याओं के बारे में प्रचलित भ्रांतियों और सामाजिक कलंक को भी संबोधित किया गया। शराब का सेवन कम करने या पूरी तरह बंद करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए सहयोगी पारिवारिक वातावरण, समय पर सहायता लेने और उचित पेशेवर मार्गदर्शन को प्रोत्साहित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार लाभार्थियों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से परामर्श, उपचार एवं नशामुक्ति सहायता उपलब्ध होने के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें कलंक या भ्रांतियों के कारण उपचार में देरी करने के बजाय प्रारंभिक चरण में ही पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अनिम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की यह महत्वपूर्ण पहल समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के माध्यम से द्वीपवासियों को समस्याग्रस्त शराब सेवन के व्यवहार की पहचान करने, हानिकारक भ्रांतियों को दूर करने तथा स्वस्थ होने की दिशा में समय पर निर्णायक कदम उठाने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

प्रवाल भित्ति संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता पर विशेष कार्यक्रम हुआ

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह—2026 के अवसर पर आज वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत महात्मा गांधी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान (एमजीएमएनपी), वंडूर, दक्षिण अण्डमान के एमआईसी सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय प्रवाल भित्ति संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा प्रकृति आधारित आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष श्री पी. उम्मर मुख्य अतिथि तथा डॉ. दिनेश कन्नन, भा.व.से., मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव एवं प्रादेशिक) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ज़िला परिषद सदस्य श्री प्रकाश अधिकारी एवं ग्राम पंचायत वंडूर के प्रधान श्री अधीर दास सहित वन विभाग, ऑयल इंडिया लिमिटेड, द नेचुरलिस्ट स्कूल, बेंगलुरु के अधिाकारी, प्रकृति गाइड प्रशिक्षु, वंडूर के ग्रामीण तथा विभागीय कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात “एकीकृत प्रवाल भित्ति निगरानी एवं आकलन” विषय पर विस्तृत परिचोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का विमोचन किया गया। इस डीपीआर का उद्देश्य अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रवाल भित्ति पारिस्थितिकी तंत्र की व्यवस्थित निगरानी, आकलन, संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए एक वैज्ञानिक रूपरेखा उपलब्ध कराना है। इस पहल को ऑयल इंडिया लिमिटेड का सहयोग प्राप्त हुआ है, जो समुद्री संरक्षण में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व को दर्शाता है। दूसरे प्रमुख कार्यक्रम के रूप में मुख्य अतिथि द्वारा ग्राम पंचायत वंडूर के प्रधान श्री अधीर दास को वंडूर ईको—डेवलपमेंट कमेटी (ईडीसी) का पंजीकरण प्रमाण—पत्र प्रदान किया गया।

कार निकोबार में सूअरों में क्लासिकल स्वाइन फीवर की पुष्टि

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। पिछले चार सप्ताह के दौरान कार निकोबार में सूअरों में बीमारी फैलने की सूचना मिली है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा एकत्र किए गए नमूनों की मुख्यभूमि स्थित नामित प्रयोगशालाओं में जांच की गई, जिसमें क्लासिकल स्वाइन फीवर (सीएसएफ) की पुष्टि हुई है। केंद्र शासित प्रदेश में इससे पहले वर्ष 2000 से 2003 के दौरान इस बीमारी के प्रकोप की सूचना मिली थी। क्लासिकल स्वाइन फीवर सूअरों को प्रभावित करने वाली अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी है। यह मनुष्यों, मवेशियों या बकरियों को संक्रमित नहीं करती और मानव स्वास्थ्य के लिए इसका कोई प्रत्यक्ष खतरा नहीं है। हालांकि, यह सूअरों में गंभीर बीमारी और मृत्यु का कारण बन सकती है, जिससे किसानों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। समय पर टीकाकरण, तत्काल सूचना देना तथा कड़ी जैव-सुरक्षा—अर्थात ऐसे उपाय जो संक्रमण को सूअरों के बाड़ों में प्रवेश करने अथवा एक बाड़े से दूसरे बाड़े में फैलने से रोकते हैं—बीमारी के नियंत्रण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। सभी सूअर मालिकों एवं किसानों को निम्नलिखित सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है: **पालन किए जाने वाले उपाय**

- तत्काल अलगाव: बीमार या संदिग्ध सूअरों को स्वस्थ पशुओं से तुरंत अलग रखा जाना चाहिए तथा उनके लिए अलग भोजन और पानी के बर्तनों का उपयोग किया जाना चाहिए।
- शीघ्र सूचना देना: तेज बुखार, भूख न लगना, दस्त, त्वचा के रंग में बदलाव, कमजोरी या अचानक मृत्यु जैसे लक्षण दिखाई देने पर इसकी सूचना तुरंत निकटतम पशु चिकित्सा अधिकारी या वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी को दी जानी चाहिए। आगे बीमारी फैलने या अन्य पशुओं की मृत्यु की प्रतीक्षा किए बिना एक भी संदिग्ध मामला होने पर उसकी सूचना देना आवश्यक है।
- उपचार: इस रोग का कोई विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है। बीमार पशुओं की देखभाल के लिए निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क करें। सहायक उपचार से पशुओं की जान बचाने में सहायता मिल सकती है।
- टीकाकरण: 6 सप्ताह से अधिक आयु के सभी पात्र स्वस्थ पशुओं का टीकाकरण पशु चिकित्सा अधिकारियों की सलाह के अनुसार कराया जाना चाहिए। विभागीय टीकाकरण एवं निगरानी दलों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए।
- सफाई एवं कीटाणुशोधन: सूअर बाड़ों, भोजन के बर्तनों, उपकरणों और जूतों की पशु चिकित्सा कर्मचारियों की सलाह के अनुसार नियमित रूप से सफाई एवं कीटाणुशोधन किया जाना चाहिए। इन सावधानियों से एक स्थान से दूसरे स्थान तक संक्रमण फैलने से रोकने में सहायता मिलती है।

ननकौड़ी में विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर चेतना लाई गई

ननकौड़ी, 6 अक्टूबर। ननकौड़ी खंड के खंड परियोजना कार्यालय (एसएसए) द्वारा कल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस), चैंपिन में 'विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस—2026' के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस प्रतिवर्ष सेरेब्रल पाल्सी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम



ईडीसी का पंजीकरण संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने, जागरूकता बढ़ाने तथा स्थानीय समुदाय के लिए प्रकृति आधारित आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तीसरे कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित स्थानीय युवाओं के लिए प्रकृति गाइड व प्रकृतिवादी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण श्री विजय पुरम के वन्यजीव प्रभाग द्वारा बेंगलुरु स्थित द नेचुरलिस्ट स्कूल के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कुशल स्थानीय प्रकृति गाइड तैयार करना है, जो जिम्मेदार प्रकृति आधारित पर्यटन, पर्यावरण जागरूकता तथा एमजीएमएनपी की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण में योगदान दे सकें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभा को संबोधित करते हुए गणमान्य अतिथियों ने वैज्ञानिक संरक्षण, स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी तथा द्वीपों की प्राकृतिक विरासत की सुरक्षा में युवाओं की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला।

- सुरक्षित चारा एवं पानी: सूअरों को स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छतापूर्ण चारा उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा भोजन और पानी के बर्तनों को साफ रखा जाना चाहिए।
- अभिलेखों का रखरखाव: रोग की निगरानी में सहायता के लिए पशुओं की खरीद, पशुओं के आवागमन, टीकाकरण, बीमारी तथा मृत्यु से संबंधित सरल अभिलेख नियमित रूप से रखे जाने चाहिए।
- सुरक्षित निपटान: पशुओं की मृत्यु होने पर इसकी सूचना पशु चिकित्सा कर्मचारियों को दी जानी चाहिए। मृत सूअरों का निपटान पशु चिकित्सा अधिकारियों के मार्गदर्शन में निर्धारित सावधानियों का पालन करते हुए गहरे गड्ढे में दफनाकर किया जाना चाहिए।
- नए खरीदे गए सूअरों को अलग रखना: नए खरीदे गए सूअरों को मौजूदा झुंड में शामिल करने से पहले पशु चिकित्सा अधिका़री द्वारा बताई गई अवधि तक निगरानी के लिए अलग रखा जाना चाहिए।
- बीमार या संदिग्ध सूअरों को बेचना, ले जाना, अदला-बदली करना या काटना नहीं चाहिए, क्योंकि इन गतिविधियों से रोग फैल सकता है।
- प्रभावित या संदिग्ध स्थानों से सूअर, सूअर का मांस, मृत पशु, उपकरण या संभावित रूप से संक्रमित सामग्री को पशु चिकित्सा विभाग की अनुमति के बिना कहीं ले जाना नहीं चाहिए।
- कच्चा रसोई अपशिष्ट या सूअर के मांस से बने उत्पाद सूअरों को नहीं खिलाने चाहिए, क्योंकि इनमें संक्रमण फैलाने वाले रोगाणु हो सकते हैं।
- सूअर बाड़ों में अनावश्यक रूप से प्रवेश करने से बचना चाहिए। परिसर में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को सफाई एवं कीटाणुशोधन संबंधी सावधानियों का पालन करना चाहिए।
- मृत सूअरों को खुले स्थानों या जल निकायों में नहीं फेंकना चाहिए, न ही उन्हें बेचना या मानव उपभोग के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।
- पशु चिकित्सा दलों द्वारा रोग की निगरानी, टीकाकरण तथा जांच के लिए नमूने एकत्र करने का कार्य किया जाएगा। सभी सूअर पालकों एवं किसानों से अनुरोध है कि वे विभागीय दलों को पूरा सहयोग प्रदान करें तथा संदिग्ध मामलों की सूचना तुरंत दें।
- प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सूअर के झुंडों एवं किसानों की आजीविका की सुरक्षा के लिए समय पर सूचना देना तथा इन सावधानियों का कड़ाई से पालन करना अत्यंत आवश्यक है। सहायता के लिए टोल—फ़्री नंबर—112 उपलब्ध है।
- अधिक जानकारी, टीकाकरण में सहायता अथवा बीमारी एवं पशुओं की मृत्यु की सूचना देने के लिए निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क किया जा सकता है।

के तहत विद्यार्थियों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्ग बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे उनकी सक्रिय भागीदारी और प्रतिभा को प्रोत्साहन मिला। विशेष शिक्षक श्री कुशल रॉय और श्री नवीन सिंह ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में प्रतिभागियों को सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति जागरूकता, समावेशन और सशक्तीकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी।

मैदान में बालक एवं बालिकाओं के लिए शतरंज प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। दक्षिण अण्डमान के उप शिक्षा कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी इन कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को मिलेगा प्रत्यक्ष विपणन मंच

मरीना पार्क में 10—11 अक्टूबर को लगेगा ‘एसएचजी मेला’

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 10 एवं 11 अक्टूबर को शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक मरीना पार्क में ‘एसएचजी मेला’ आयोजित किया जाएगा। इस मेले का आयोजन ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रत्यक्ष विपणन एवं विक्री का मंच उपलब्ध कराने तथा द्वीपसमूह के विभिन्न हिस्सों से स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विविध उत्पादों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

“हृदय का स्वास्थ्य घर से शुरू होता है”

हैडो के यूएचटीसी में विश्व हृदय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर “स्वस्थ जीवनशैली के माध् यम से हृदय रोगों की रोकथाम” विषय पर स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम अर्बन हेल्थ एंड ट्रेनिंग सेंटर (यूएचटीसी), हैडो, श्री विजय पुरम में अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अनिम्स के निदेशक डॉ. मुकेश त्रिपाठी के समग्र नेतृत्व एवं प्रोत्साहन तथा डॉ. अजय राज, डॉ. समर हुसैन, डॉ. आंचल आनंद, डॉ. मितुल साहा और डॉ. रजीदा बानू के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी मरीजों एवं उनके साथ आए परिजनों ने भाग लिया। सत्र में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, अस्वास्थ्यकर आहार और धूम्रपान जैसे प्रमुख हृदय—रक्तवाहिका रोग जोखिम कारकों पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा नियमित जांच कराने और चिकित्सक द्वारा निर्धारित दवाओं का नियमित सेवन करने पर जोर दिया गया।

प्रतिभागियों को हृदय के लिए स्वस्थ आहार अपनाने, स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधि करने तथा तंबाकू और अत्यधिक शराब के सेवन से बचने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल के तहत यूएचटीसी हैडो की बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में आने वाले सभी मरीजों की आवश्यकता के अनुसार रक्तचाप, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) की जांच भी की गई, जिससे हृदय—रक्तवाहिका संबंधी जोखिम कारकों और असामान्यताओं की समय पर पहचान में सहायता मिली। विशेष रूप से प्रतिभागियों को हृदयाघात के शुरुआती चेतावनी संकेतों के बारे में जानकारी दी गई, जिनमें सीने में दर्द या भारीपन, सांस लेने में कठिनाई, पसीना आना, मतली तथा बांह,

जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू में लगा स्वास्थ्य शिविर

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह—2026 के तहत जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू द्वारा आज गाराचरामा जिला अस्पताल के समन्वय से अपने जीव—जंतु परिचारकों एवं कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। 10 सदस्यीय चिकित्सा दल ने उद्यान में वन्य प्राणियों की दैनिक देखभाल,

मेले में आने वाले लोग स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित उत्पाद, खाद्य उत्पाद, नारियल आधारित उत्पाद, जूट व कॉयर उत्पाद, मूल्यवर्धित उत्पाद तथा अन्य स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को देख एवं खरीद सकेंगे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आम जनता से एसएचजी मेले में आने तथा उनके उत्पाद खरीदकर ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों को अपना सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है। इससे मेले को सफल बनाने के साथ—साथ महिला नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।



जबड़े या पीठ तक फैलने वाला दर्द शामिल हैं। संवादात्मक सत्र का समापन हृदय रोगों की रोकथाम और समय पर स्वास्थ्य सेवा लेने के संबंध में चर्चा के साथ हुआ। इसमें हृदय—रक्तवाहिका स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और समय से पहले होने वाली मौतों की रोकथाम में समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल द्वीपसमूह में स्थानीय समुदायों को जीवनरक्षक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में हृदय—रक्तवाहिका रोगों के उल्लेखनीय बोझ को देखते हुए ऐसी पहल विशेष रूप से आवश्यक है, क्योंकि इससे जागरूकता बढ़ाने, चेतावनी संकेतों की समय पर पहचान करने तथा आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तक शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। परिवारों को हृदय संबंधी आपात स्थिति के महत्वपूर्ण चेतावनी संकेतों की पहचान करने और आपातकाल के दौरान निर्णायक एवं समय पर कार्रवाई करने में सक्षम बनाकर, अनिम्स का सामुदायिक चिकित्सा विभाग हृदय संबंधी आपात स्थिति की शुरुआत और समय पर तत्काल चिकित्सा देखभाल के बीच की दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जेएनआरएम में चला हरित परिसर पौधरोपण अभियान

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) द्वारा आज महाविद्यालय परिसर में ‘सुधार उत्सव’ समारोह के तहत हरित परिसर पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर में हरित क्षेत्र को बढ़ाना तथा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सतत् जीवन पद्धतियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना

कल्याण एवं प्रबंधन में लगे कर्मचारियों की बुनियादी स्वास्थ्य जांच और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्वास्थ्य शिविर में प्रभावी पशु कल्याण, वन्यजीव प्रबंधन एवं संरक्षण सुनिश्चित करने में पशु देखभाल से जुड़े कर्मियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने प्रथम पौधा लगाकर किया। उन्होंने परिसर को स्वच्छ, हरा—भरा एवं सतत् बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ संकाय सदस्यों तथा विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने पौधरोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और छायादार एवं सजावटी पौधे लगाए।

लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में तीन माह के भीतर दोषसिद्धि सुनिश्चित

सुनाई गई। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के तीन माह के भीतर ही दोषसिद्धि सुनिश्चित की गई। उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह दोषसिद्धि उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला पुलिस की लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाने के मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में प्रभावी अभियोजन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मायाबंदर, 6 अक्टूबर।

माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान ने 28 सितंबर, 2026 को डिगलीपुर थाने में दर्ज सड़क दुर्घटना के एक मामले में आरोपी को दोषी ठहराया। यह मामला प्राथमिकी संख्या 51/26, दिनांक 4 जुलाई, 2026 के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाने के कारण पीड़ित को चोटें आई थीं। आरोपी को 16,000 रुपए के जुर्माने की सजा

शपथ पत्र

मैं, स्पेंसर जॉनसन, स्वर्गीय अल्फोन्स स्पेंसर का पुत्र, आयु 61 वर्ष, निवासी लम्बा लाइन, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :-
1. यह कि मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम गलत रूप से " ALPHONES SPENSER " दर्ज किया गया है।
2. यह कि मेरे पिता का सही नाम " ALPHONES SPENCER " है।
3. यह कि " ALPHONES SPENSER " (गलत नाम) तथा " ALPHONES SPENCER " (सही नाम) एक ही व्यक्ति, अर्थात् मेरे पिता, के नाम हैं।
4. यह कि मैं संबंधित पासपोर्ट अधिकारी से अनुरोध करता हूँ कि पासपोर्ट अभिलेखों में मेरे पिता का नाम " ALPHONES SPENSER " (गलत नाम) के स्थान पर " ALPHONES SPENCER " (सही नाम) संशोधित किया जाए।
5. यह कि भविष्य में सभी सरकारी एवं कानूनी प्रयोजनों के लिए मेरे पिता का नाम " ALPHONES SPENCER " ही माना एवं पहचाना जाए।
मैं, उपर्युक्त नामित शपथकर्ता, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र की विषय-वस्तु मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है तथा इसमें कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है।

शपथकर्ता

ई-निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल-।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बूदाबन की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.-8 के प्रारूप के रूप में) आमंत्रित करते है।
एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी-।/आर आर/2026-27 / 126
कार्य का नाम : बूदाबन ग्राम पंचायत के अर्तंगत बूदाबन 05 में सुशीला देवी के घर से गाँव की सड़क तक एक तरफ ड्रेन के साथ सी सी रोड का विस्तार।
अनुमानित लागत : रु. 13,24,902/—, धरोहर राशि : रु. 26,498/—, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।
निविदा शुल्क : रु. 500/—, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 12/10/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट <https://eprocure.andamannicobar.gov.in> से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25036_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल-।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

एआई भारत जैसे उभरते देशों के किसानों को सशक्त बनाने का बन सकता है प्रभावी माध्यम : विश्व बैंक प्रमुख

नई दिल्ली।
वर्ल्ड बैंक के प्रेसिडेंट अजय बंगा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत और विकासशील देशों में किसानों और दूसरे कामगारों की जिंदगी बदल सकता है। इससे विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तरह नौकरियों पर तुरंत कोई खतरा नहीं आएगा। बंगा ने उत्तर प्रदेश में महिला किसानों की मदद करने वाली एक एआई पहल का जिक्र किया, जो उन्हें साधारण मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके फसलों की बीमारियों का पता लगाने में मदद करती है।
बंगा ने कहा कि विकसित देशों में एआई पर होने वाली बहस में बड़े लैंग्वेज मॉडल और जेनरेटिव एआई का दबदबा है। ऐसी टेक्नोलॉजी जिनके लिए बहुत अधिक कंप्यूटिंग पावर, एनर्जी, डेटा, कुशल लोग और पूंजी की जरूरत होती है। ज्यादातर उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अभी तक ये सभी चीजें एक साथ मौजूद नहीं हैं। बंगा ने कहा, "छोटे एआई," यानी ऐसे प्रेडिक्टिव टूल जो खेती की उत्पादकता, शिक्षा, कौशल और हेल्थकेयर को बेहतर बना सकते हैं, उन में बड़े बदलाव लाने का मौका देखते हैं।
कोलंबिया यूनिवर्सिटी में सीएनएन के फरीद जकारिया के साथ बातचीत के दौरान बंगा ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे ऐसी टेक्नोलॉजी का पहले से ही व्यावहारिक इस्तेमाल किया जा रहा है। बंगा ने कहा, "भारत के उत्तर प्रदेश में, हमने गूगल के साथ मिलकर ऐसे एप्लिकेशन लॉन्च किए हैं, जिनसे अनपढ़ महिला किसान एक को-ऑपरेटिव से जुड़ती हैं।" उन्होंने बताया कि कैसे एक महिला किसान बिना किसी महंगे उपकरण या तकनीकी जानकारी के इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर सकती है।
बंगा ने कहा, "हम उन्हें एक ऐसा टूल देते हैं, जिससे वे 3जी फोन पर बोल सकती हैं, कैमरे को किसी बीमार पौधे की पत्ती के पिछले हिस्से की ओर कर सकती हैं और वह टूल उन्हें बीमारी के बारे में बता देता है। साथ ही यह भी बताता है कि स्थानीय को-ऑपरेटिव से 25 रुपये में कौन-सी कीटनाशक दवा मिलेगी। बस बटन दबाना होता है और दवा आपकी हो जाती है।" बंगा ने कहा, "अब आपने एक अनपढ़ महिला किसान के लिए भी बेहतरिण जानकारी तक पहुंच को आसान बना दिया है। और मेरे लिए, यह असल में एआई का ही कमाल है।"
उन्होंने कहा कि हेल्थकेयर और दूसरे सेक्टर में भी ऐसे ही मौके मौजूद हैं। बंगा की बातों ने इस ग्लोबल बहस पर एक बिल्कुल अलग नजरिए से बात की कि क्या ज्यादा काबिल एआई सिस्टम बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म कर देंगे। उन्होंने तर्क दिया कि अभीर और विकासशील देशों पर इसका तुरंत असर बहुत अलग-अलग होगा। बंगा ने कहा कि विकसित देशों में, 'लार्ज लैंग्वेज मॉडल' (एलएलएम) से एक-तिहाई तक नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। लेकिन जैसे-जैसे देशों की आय कम होती जाती है, यह तस्वीर काफी बदल जाती है।
बंगा ने कहा, "असल में, विकसित देशों में एलएलएम से एक-तिहाई नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। लेकिन जैसे ही आप मध्यम आय वाले देश में आते हैं, यह संख्या सिंगल डिजिट में आ जाती है। जब आप कम आय वाले देश में पहुंचते हैं, तो यह शून्य हो जाती है।" बंगा का तर्क है कि अभीर देशों में नौकरियों के जाने या बदलने के दबाव पर जो चर्चा हो रही है, उसका सामना करने से पहले विकासशील



देशों के पास प्रोडक्टिविटी और रोजगार बढ़ाने के लिए अभी भी काफी गुंजाइश है।
बंगा ने कहा कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल के लिए पांच जरूरी चीजों की जरूरत होती है, जो कई उभरते बाजारों में आसानी से नहीं मिलतीं। उन्होंने कहा, "मेरा मतलब है, विकसित देशों में लार्ज लैंग्वेज मॉडल और जेनरेटिव एआई पर चर्चा होती है। असलियत यह है कि उभरते बाजारों में एलएलएम को चलाने के लिए असल में क्या चाहिए? इसके लिए बहुत ज्यादा कंप्यूटिंग पावर और बड़ी मात्रा में ऊर्जा चाहिए। मेरा मानना है कि इसके लिए विकसित देश भी संघर्ष कर रहे हैं।"
उन्होंने कहा, "इसके लिए डेटा चाहिए। ऐसे लोग चाहिए जो इसे मैनेज करना जानते हों और फिर इसके लिए कैपिटल (पूंजी) चाहिए। बहुत कम उभरते बाजार ऐसे हैं जहां ये पांचों चीजें एक साथ मौजूद हैं।" बंगा ने कहा कि इसीलिए, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के पास छोटे एआई एप्लीकेशन इस्तेमाल करने का ज्यादा तुरंत मौका है। उन्होंने कहा, "इसलिए उभरते हुए बाजारों में असल में 'छोटे एआई' एक बड़ा मौका है। 'छोटे एआई' का मतलब है ऐसे प्रेडिक्टिव टूल्स (अनुमान लगाने वाले टूल्स) जिनका इस्तेमाल किसानों की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने, बेहतर शिक्षा और रिकलिंग देने या हेल्थकेयर में क्षमताएं बेहतर करने के लिए किया जाता है।"
इस चर्चा में विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अंतर पर भी बात हुई, जहां एआई से करियर के स्थापित रास्तों और व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर असर पड़ सकता है। बंगा के साथ मौजूद ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने वकालत कीसे प्रोफेशन का जिक्र किया, जहां एआई तेजी से रिसर्च और डॉक्यूमेंटेशन का काम कर सकता है, ऐसे काम जो आम तौर पर युवा कर्मचारियों को दिए जाते हैं। मित्सोताकिस ने चेतावनी दी कि विकसित देशों में मिडिल-क्लास वर्कर्स को एआई और रोबोटिक्स, दोनों से दबाव का सामना करना पड़ सकता है।
मित्सोताकिस ने कहा, "भारत के किसानों के लिए तो यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन विकसित दुनिया के मिडिल क्लास के लिए, जो पहले ही ग्लोबलाइजेशन की मार झेल चुका है, अब एआई व्हाइट-कॉलर नौकरियों पर असर डाल रहा है और रोबोटिक्स मैनुफैक्चरिंग की बची-खुची नौकरियों को खत्म कर रहा है। ऐसे में भविष्य को लेकर उम्मीद की अधिक गुंजाइश नहीं बचती।"



जिलास्वास्थ्य समिति का कार्यालय
OFFICE OF THE DISTRICT HEALTH SOCIETY
(उपायुक्त का कार्यालय)
(DEPUTY COMMISSIONER'S OFFICE)
उत्तरए एवं मध्य अण्डमान जिला, मायाबन्दर
NORTH & MIDDLE ANDAMAN DISTRICT, MAYABUNDER
दूरभासTel.: 03192-262697ईमेल/ e-mail: dhsnma@gmail.com

RECRUITMENT NOTIFICATION FOR VARIOUS POSTS UNDER DISTRICT HEALTH SOCIETY, NORTH AND MIDDLE ANDAMAN

The District Health Society, North & Middle Andaman invites applications from eligible and qualified candidates for filling up varous posts on a contractual basis for a period of 11 months under the National Health Mission. The details of the posts are as follows:-

Sl. No.	Name of the Posts	Remuneration (Consolidated pay)	No. of Vacant Posts
1	Public Health Nurse (PHN)	₹21,632/-	4
2	Additional Auxiliary Nurse Midwife (AANM)	₹18,434/-	1
3	Pharmacist (Allopathy) - RBSK	₹21,632/-	1
4	Pharmacist (Homeopathy)	₹21,632/-	1

Important Information:
1. **Last Date for Submission of Applications:23rdOctober, 2026 up to 05:00 P.M.** Applications received after the prescribed date and time shall not be accepted and shall be liable to be rejected.
2. **Mode of application:** Offline, as per the prescribed application format.
How to Apply
Interested and eligible candidates shall submit their duly filled-in application form in the prescribed format, along with self-attested copies of the requisite certificates/documents, either in person or through Speed Post/Registered Post, to the following address:The District Health Society, O/o the Deputy Commissioner, Lucknow,Mayabunder – 744 204, North & Middle Andaman
For any queries, applicants may contact 03192-262697 during office hours.
Where to Find the Detailed Recruitment Notice, Eligibility Criteria and Application Format
Candidates are advised to visit the official websites given below to download the detailed recruitment notification, eligibility criteria, terms and conditions, marking criteria, and prescribed application format.
<https://andamannicobar.gov.in>
https://northmiddle.andaman.nic.in/notice_category/recruitment

District Programme Manager
District Health Society
North & Middle Andaman

राजकीय बहुशिल्प संस्थान, डिगलीपुर में आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा की उत्तर कुंजी अपलोड

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर।
सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि राजकीय बहुशिल्प संस्थान, डिगलीपुर (जीपीडी) में विभिन्न विषयों में संविदा आधार पर व्याख्याता एवं प्रयोगशाला तकनीशियन के पदों पर भर्ती के लिए 18 से 19 अगस्त तक आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की उत्तर कुंजी अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट<https://andamannicobar.gov.in> पर अपलोड कर दी गई है।
प्रकाशित उत्तर कुंजी के संबंध में किसी अभ्यर्थी को कोई दावा या आपत्ति हो तो वह 8 अक्टूबर, 2026 की मध्यरात्रि तक ई-मेल के माध्यम सेofficialgpd9@gmail.com पर प्रस्तुत

कर सकता है। ई-मेल में अभ्यर्थी का रोल नंबर, प्रश्न संख्या तथा जिस उत्तर को सही माना जा रहा है, उसका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। जहां लागू हो, वहां दावे व आपत्ति के समर्थन में औचित्य व संदर्भ भी प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित समय के बाद प्राप्त दावे व आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।
प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इसके अलावा, यह सूचित किया गया है कि प्रशासनिक कारणों से व्याख्याता (सिविल इंजीनियरिंग) पद के लिए आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा निरस्त कर दी गई है। उक्त पद के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करने की संशोधित तिथि की सूचना बाद में अलग से दी जाएगी।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए राज्य चयन परीक्षण 17 एवं 18 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 6 अक्टूबर।
अण्डमान तथा निकोबार द्वीप बैडमिंटन संघ द्वारा आगामी राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए 17 एवं 18 अक्टूबर को राज्य चयन परीक्षण आयोजित किया जाएगा।
चयन परीक्षण का कार्यक्रम निम्नानुसार है:

दिनांक	स्पर्धाएं	श्रेणियां
17 / 10 / 2026	एकल/ युगल	11 वर्ष से कम आयु (बालक एवं बालिका)
18 / 10 / 2026	एकल/ युगल/ मिश्रित युगल	19 वर्ष से कम आयु (बालक एवं बालिका)

प्राप्त विज्ञप्ति में खिलाड़ियों को सलाह दी गई है कि वे 16 अक्टूबर, 2026 तक या उससे पहले गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी प्रविष्टियां जमा कर दें। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए 9531916580 पर संपर्क किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की अपील की

गाजा।
संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 7 अक्टूबर 2023 के हमलों की तीसरी बरसी से पहले गाजा में स्थायी युद्धविराम की अपील की है। तीसरी बरसी पर जारी अपने संदेश में गुटेरेस ने कहा कि उन हमलों की भयावहता फिर कभी दोहराई नहीं जानी चाहिए और इसके बाद गाजा में शुरू हुई लड़ाई अब खत्म होनी चाहिए। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास ने गाजा से इजरायल पर हमला किया था। इसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया। समाचार एजेंसी सन्हुआ के मुताबिक, इस संघर्ष में कम से कम 74 हजार फिलिस्तीनी मारे गए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, "हमलों के बाद शुरू हुई विनाशकारी लड़ाई ने गाजा में फिलिस्तीनियों को बेहिसाब दर्द और तकलीफ दी है। बड़ी संख्या में लोगों की जान गई, लोग विस्थापित हुए और बड़े पैमाने पर तबाही हुई। आम लोग अब भी बेहद मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। उनकी तकलीफ भी अब खत्म होनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि पिछले साल हुए युद्धविराम से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अभी तक लोगों को पूरी सुरक्षा, पर्याप्त मानवीय

सहायता या हालात सुधारने और शांति कायम करने का भरोसेमंद रास्ता नहीं मिल पाया है।
गुटेरेस ने कहा, "मैं सभी पक्षों से अपील करता हूं कि वे अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह लागू करें और युद्धविराम के अगले चरण की ओर बढ़ें। अब युद्धविराम को स्थायी बनाने का समय है। बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचने देने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने का भी समय आ गया है।" उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक कायम रहने वाली शांति के लिए राजनीतिक रास्ता तैयार करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र इन लक्ष्यों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। गुटेरेस ने कहा, "यह बरसी सिर्फ एक और साल के दुख और शोक का प्रतीक न बने, बल्कि एक अलग भविष्य बनाने के हमारे संकल्प को और मजबूत करे। ऐसा भविष्य, जहां इजरायली और फिलिस्तीनी शांति और सुरक्षा के साथ एक-दूसरे के पड़ोसी के रूप में रह सकें और उनके अधिकारों, सम्मान और उम्मीदों को पूरा किया जा सके।" हमास के नेतृत्व में हुए 7 अक्टूबर के हमले में इजरायल में करीब 1,200 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद इजरायल ने पूरे गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, इन सैन्य कार्रवाइयों में 74,200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐप आधारित परिवहन सेवाओं में महिलाओं की सुरक्षा के लिए जारी किए नए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली।
राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐप आधारित और डिजिटल परिवहन सेवाओं में महिलाओं की सुरक्षा के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने कहा है कि आज बड़ी संख्या में महिलाएं रोजाना ऐप आधारित कैब और अन्य परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल करती हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से इन दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है।
आयोग ने बताया कि दिशा-निर्देश महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इसमें 2013 की जे. एस. वर्मा समिति की रिपोर्ट को भी ध्यान में रखा गया है। आयोग ने राज्य सरकार, पुलिस और परिवहन सेवाओं से महिलाओं की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करने की अपील की है।